पाठ 11. छुटकी उल्ली

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों में नई-नई चीज़ों को जानने के प्रति जिज्ञासा की प्रवृत्ति जाग्रत करना है। बच्चे माँ से प्यार करते हैं। वे अपनी माँ से तरह-तरह के प्रश्न करते हैं और अपनी जिज्ञासाओं के बारे में जानते हैं। इस पाठ के माध्यम से इसी उद्देश्य की पूर्ति की गई है।

पाठ का सारांश

छुटकी अब तीन साल की हो गई है और बहुत खुश है। वह माँ से पूछती है कि माँ आसमान में कितने तारे हैं? माँ कहती है खुद ही गिनकर देख लो। छुटकी तारे गिनते-गिनते माँ की गोद में ही सो गई। अगली रात छुटकी ने माँ से पूछा कि आसमान कितना ऊँचा है? माँ ने कहा, तुम खुद ही जाकर देख लो। छुटकी उड़ते-उड़ते बादलों के पास पहुँच गई। सुबह होते-होते छुटकी थक गई और नीचे आ गई। छुटकी सारी रात आसमान और सितारों के बारे में सोचती रही। माँ ने उसे जो सिखाया उसके बारे में भी सोचती रही। छुटकी अपनी माँ से बहुत प्यार करती है।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व बच्चों से आसमान और तारों के बारे में चर्चा करें। उन्हें बताएँ कि तारे इतने छोटे क्यों दिखाई देते हैं। उन्हें तारों पर आधारित कोई कविता सुनाएँ।

बच्चों से पूछें–

- क्या वे रात में तारे देखते हैं?
- उन्हें रात का दृश्य कैसा लगता है?
- यदि आप छुटकी उल्ली की तरह उड़ पाते तो क्या-क्या करते?
- कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।
- अभ्यास करने में बच्चों की सहायता करें। बच्चों से पाठ से संबंधित छोटे-छोटे मौखिक प्रश्न पूछें।